(c) whether Government propose to-set up Ayurvedic centres and hospitals in the State of Madhya Pradesh; and

(d) if not. what are the reasons therefor ?

THE MINISTER OF HEALTH AND FAMILY WELFARE (SHRI M. L. FOTEDAR): (a) Yes, Sir.

(b) National Health Policy assigns an important role to the Indigenous Systems of Medicine and Homoeopathy to sup plement the role of modern medicine in the delivery' of primary health care.

Government is giving critical inputs for improvement of medical education, quality control of drugs and research.

(c) No, Sir.

(d) Setting up and running of hospi tals and dispensaries is the responsibility of the States.

Delegation of powers under the Forest Act

*288. SHRI ANANTRAY DEVSHANKER DAVE: Will the Minister of ENVIRONMENT AND FORESTS be pleased to state:

(a) w'hether Government have received any proposal from the Gujarat Government regarding delegation of Powers under the Forest (Conservation) Act;

(b) whether it is a fact that some State Governments have been representing in this regard; and

(c) if so, what action Government propose to take in the matter?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF ENVIRONMENT AND FORESTS (SHRI KAMAL NATH): (a) No formal proposal has been received from the Government of Gujarat regarding delegation of powers under Forest (Conservation) Act, 1980.

(b) and (c) State Governments have, from time to' time been making suggestions in this regard. Some relaxations have been made, in the rules alongwith delegation of powers to the Regional offices of the Ministry to finally dispose of cases of small diversion of forest land under the forest (Conservation) Act 1980.

मलेरिया का उन्मूलन

***289. श्री अजीत जोगी :**
कुमारी आलिया :

क्या स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार ने मलेरिया के उन्मूलन के लिए, कीटनाशकों के उपयोग के विकल्प के रूप में एकीकृत जैव-पर्यावरणीय नीति को अपनाया है ;

(ख) यदि हां, तो इस संबंध में ब्यौरा क्या है ; और

(ग) क्या यह प्रयोग इसकी लागत की तुलना में उपयोगी पाया गया है ?

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री (श्री एम० एल० फोतेदार) : (क) से (ग) वैक्टर नियंत्रण के लिये कीटनाशक के इस्तेमाल के लिए एक विकल्प के रूप में जैव-पर्यावरणिक नीति को अपनाने व संभावनाओं की प्रयोगात्मक आधार पर छान-बीन की जा रही है ।

मलेरिया अनुसंधान केंद्र बारह परियोजनाओं में मलेरिया के नियंत्रण के लिए वैकल्पिक उपायों को बढ़ावा दे रहा है । इन परियोजनाओं के अंतर्गत मच्छरों पर नियंत्रण जीव-वैज्ञानिक, पर्यावरणीय तथा व्यक्तिगत सुरक्षा पद्धतियों के जरिए किया जा रहा है ।

जीवनाशियों का इस्तेमाल करके उनकी प्रभावकारिता तथा लागत प्रभावों का मूल्यांकन करने के लिए व्यापक फील्ड परीक्षण भी शुरू किए गए हैं ।